



अजीत समाचार मैगज़ीन, रविवार 21 मई, 2017 (III)

(क्रम जोड़ने के लिए पिछला अंक देखें)

ब तौर निर्देशक के गुलज़ार ने जितेन्द्र के कैरियर को नई दिशा प्रदान की थी। जतिन्द्र ने 'परिचय' का निर्माण स्वयं इस कारण किया था ताकि वह अपने 'जर्मिंग जैक' वाले लेबल से मुक्ति हासिल कर सकें। गुलज़ार ने उनको 'परिचय' में अपनी ही शल्लिष्यत के अनुसार जतिन्द्र को एक गम्भीर अभिनेता के तौर पर पेश किया था। जब 'परिचय' बाक्स आफिस पर भी हिट हुई तो जतिन्द्र ने इस खुशी में गुलज़ार को वरसोया (मुम्बई) में एक फ्लैट बतौर तोहफे के रूप में दिया था। जरा-जरा सी खिली तबीयत, जरा सा, गमगीन हमारा दिल है...

परन्तु फिर भी गुलज़ार के चहेते कलाकार तो संजीव कुमार ही थे। संजीव कुमार में वह सभी विशेषताएँ थीं जिनके आधार पर वह गुलज़ार के पेचीदा पात्रों को रजत पट पर विलक्षण अंदाज़ में पेश कर सकते थे। इसलिए उन्होंने गुलज़ार की फिल्मों में कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ बहुत यादगार ढंग से निभाई थीं। 'परिचय' (1975), 'वह एक गायक बने थे, जो अपने प्रेम के लिए अपने परिवार के प्रमुख (प्राण) के विरुद्ध विद्रोह करते हैं। 'मोसम' में उनको दोहरी भूमिका थी और एक बेरिया में से वह अपनी खोई हुई प्रेमिका की तलाश करते हैं। यह फिल्म बाप-बेटी के परम्परावादी रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित करती थी। 'आंधी' में वह एक ऐसे पति बने थे जो अपनी राजनीतिक पत्नी को ख्वाहिशों के अधीन रख कर रह गए थे। इसी तरह 'कोशिश' में उन्होंने एक अग्रजिज्ञ के तौर पर दर्शकों की सहानुभूति प्राप्त की थी। परन्तु बतौर गीतकार गुलज़ार के गीतों की सूची बहुत लम्बी है। 'मीरा' (1979), 'आंधी' (1975), 'गोलमाल' (1979), 'चुपके-चुपके' (1975), 'नयम-नयम' (1980), 'गुलामी' (1986), 'माचिस' (1996), 'दिल से' (1985), 'अक्स' (2001), 'पिंजर' (2003), 'पहेली' (2005), 'जब तक है जान' (2013), 'मटरू को बिजली का मंडोला' (2012), 'डेड इश्किया' (2014) और 'हेटर' (2014) जैसी अनेक फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं। (शेष अगले रविवारीय अंक में)

जरा-जरा सी खिली तबीयत, जरा सा, गमगीन हमारा दिल है...

गुलज़ार

वो दिन दूर नहीं जब आप अपनी मर्जी के सपने देखेंगे...

अगर आप अक्सर सपने देखते हैं तो यह इस बात का सबूत है कि आप उर्वर मस्तिष्क के हैं। जी, हाँ। यह कोई व्यंग्य नहीं एक हालिया शोध का निष्कर्ष है। दरअसल वैज्ञानिक मानते हैं कि सपने इस बात के लक्षण हैं कि सोते समय हमारा मस्तिष्क अधिक सक्रियता से काम कर रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक कुछ नई चीजें सीखने के बाद झपकी लेना अक्सर फायदेमंद होता है। क्योंकि झपकी के बाद नई सीख को लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि जो लोग किसी नए काम को पूरा करने के बारे में सपना देखते हैं, जागने के बाद उनका प्रदर्शन उन लोगों से बेहतर होता है, जो इस तरह के सपने नहीं देखते।

वैज्ञानिकों ने इस संबंध में बकायदा शोध किया है। उन्होंने शोध में शामिल लोगों से 3-डी कंप्यूटर पहेली का लेआउट सीखने के लिए कहा ताकि कई घंटे के बाद ये लोग वर्चुअल स्पेस में पहेली का समाधान पा सकें। वास्तव में सपने इस निष्कर्ष के मापक हो सकते हैं कि समस्या के समाधान की दिशा में मस्तिष्क कई स्तरों पर काम कर रहा है। हॉर्नर्वेड मेडिकल स्कूल के डॉक्टर रॉबर्ट स्टिकगोल्ड के मुताबिक इन लोगों को झपकी लेने की इजाजत दी गई। जिन लोगों ने सपने में भी काम को याद किया, उनके सीखने के नतीजे उन लोगों के मुकाबले काफी प्रभावी थे, जिन्हें बात को लेकर कोई सपना नहीं आया। शोध टीम के मुताबिक जब आप सपने देखते हैं तो अचेतन मस्तिष्क सूचनाओं से समाधान निकालने के लिए कड़ी मेहनत करता है।

डॉक्टर रॉबर्ट स्टिकगोल्ड जो कि इस शोधपत्र के लेखक हैं, कहते हैं 'सपने इस बात का पैमाना हैं कि समस्या के निदान की दिशा में

मस्तिष्क कई स्तरों पर प्रयास कर रहा है।' वह आगे कहते हैं, 'सपने इस बात के लक्षण हैं कि याद रखने के लिए मस्तिष्क कोशिश कर रहा है। ये यादें भविष्य के लिए काफी उपयोगी हो सकती हैं।' हालांकि सपने इंसान का ध्यान आकर्षित करने वाले कोई नये विषय नहीं हैं। हमेशा से इंसानी समाज को सपने रोमांचित करते रहे हैं। हर दौर में लोगों में यह जिज्ञासा बलवती रही है कि

चरण होते हैं। इन्हें चरणों को ही कच्ची नौद और पक्की नौद कहा जाता है। पक्की नौद में दिमाग इतना शांत हो चुका होता है कि सपने नहीं देखता। कच्ची नौद में बहुत हलचल होती है। इस दौरान आंखों की पुतलियां भी हिलती रहती हैं। इसे रैपिड आई मूवमेंट या आईएमएम कहा जाता है। यह अचेतन मन की स्थिति है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि जगो होने और आईएमएम के बीच एक चरण होता है, जब अच्छे सपने आते हैं। इसे चेतना और अचेतना के बीच ड्रॉड की स्थिति बताया गया है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को पता होता है कि वह सपना देख रहा है और अगर वह कोशिश करे तो अपने सपनों पर नियंत्रण भी कर सकता है या यूँ कहें कि वह सपने के नतीजे को अपनी इच्छा के हिसाब से तय कर सकता है।

बिजली के नाजुक और नियंत्रित झटकों के जरिये वैज्ञानिकों ने शोध में शामिल वालंटियरों को यह महसूस करने के लिए बाध्य कर दिया कि वे अपने ही सपने को एक दूसरे और तटस्थ व्यक्ति के रूप में देख सकते हैं या कि उन्हें अपनी मर्जी के मुताबिक दिशा दे सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस रिसर्च का जल्द ही मानसिक बीमारियों के इलाज में फायदा मिल सकेगा। साथ ही जो लोग किसी सदमे से गुजर रहे हैं या बुरे सपनों से परेशान हैं, उन्हें भी मदद मिल सकेगी। इस रिसर्च का नेतृत्व करने वाली उर्सुला फॉस का कहना है कि वह दिन दूर नहीं जब इस टीएसीएम तकनीक वाली मशीन बाजार में मिला करंगी और लोग अपनी मर्जी के लुभावने सपने देखा करेंगे।



आखिर हमें सपने आते क्यों हैं ? वैसे अभी भी इस सवाल का कोई सर्वमान्य आखिरी जवाब नहीं मिला है बावजूद इसके कि 16 वीं शताब्दी से ही लेकर इस बारे में कई मिथक हैं। कोई कहता है कि सपनों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है, तो किसी का मानना है सपने हमारे अनुभवों की झलक हैं और इन पर हमारा कोई बस नहीं। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क की कार्यविधि का काफी हद तक खुलासा कर लिया है और किसी हद तक मस्तिष्क की गतिविधियों में नियंत्रण भी हासिल कर लिया है जिससे यह भी दावे किये जाने लगे हैं कि आप अपनी मर्जी के सपने देख सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि नौद के कई

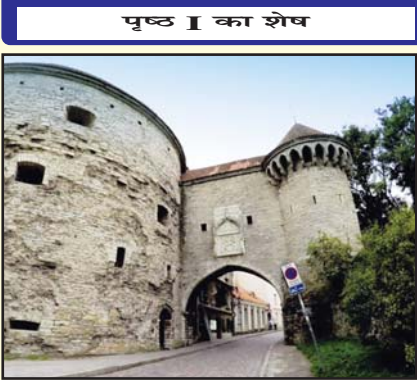
सफलता का नया...

आज यहाँ 'बाहुबली-2' के भारी भरकम कारोबार से इसके निर्माता व वित्तक खुश हैं वहीं श्रीदेवी के दिल में इस फिल्म की सफलता को देख टीस सी उठती है। राजामौली चाहते थे कि फिल्म में राजमता शिवगामी देवी की भूमिका श्रीदेवी निभाए और इसके लिए श्रीदेवी से सम्पर्क भी किया गया पर श्रीदेवी ने बड़ी रकम की मांग की कि जो राजमौली को नामवार गुजरी थी। उन्होंने इस भूमिका के लिए राग्या कृष्णा को साइन कर लिया। दूसरी तरफ श्रीदेवी ने 'पुली' नामक बड़े बजट वाली फिल्म साइन की पर वह फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप रही। 'बाहुबली' की दोनों सीरिज की बदौलत आज इसके नायक प्रभास का नाम घर-घर में लोकप्रिय हो गया है। प्रभास ने अपनी जिन्दगी के पांच साल इन दोनों वर्जन को दिए और फिल्म के लिए अपना वजन 22 किलो बढ़ाया। वर्ष 2010 में मि. वर्ल्ड का खिताब जीतने वाले लक्ष्मण रेड्डी ने ट्रेनिंग देकर प्रभास के शरीर को मजबूत बनाया और यही वजह है कि अमरेन्द्र व महेन्द्र की भूमिका में वे अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे।

कि वे इसे देखने सिनेमाघरों के प्रति आये न कि लैपटॉप या मोबाइल फोन की स्क्रीन पर इसे देखें। यही वजह थी कि उन्होंने फिल्म कुछ इस अंदाज़ में बनाई कि इसका लुटफ बड़े पर्दे पर ही उठाय़ा जा सके। जिस किसी ने यह फिल्म मोबाइल की स्क्रीन पर देखी वह भी इसे बड़े पर्दे पर पुनः देखने को लालायित हो उठा और इस तरह फिल्म को भारी संख्या में दर्शक प्राप्त हो गए।

आज यहाँ 'बाहुबली-2' के भारी भरकम कारोबार से इसके निर्माता व वित्तक खुश हैं वहीं श्रीदेवी के दिल में इस फिल्म की सफलता को देख टीस सी उठती है। राजामौली चाहते थे कि फिल्म में राजमता शिवगामी देवी की भूमिका श्रीदेवी निभाए और इसके लिए श्रीदेवी से सम्पर्क भी किया गया पर श्रीदेवी ने बड़ी रकम की मांग की कि जो राजमौली को नामवार गुजरी थी। उन्होंने इस भूमिका के लिए राग्या कृष्णा को साइन कर लिया। दूसरी तरफ श्रीदेवी ने 'पुली' नामक बड़े बजट वाली फिल्म साइन की पर वह फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप रही। 'बाहुबली' की दोनों सीरिज की बदौलत आज इसके नायक प्रभास का नाम घर-घर में लोकप्रिय हो गया है। प्रभास ने अपनी जिन्दगी के पांच साल इन दोनों वर्जन को दिए और फिल्म के लिए अपना वजन 22 किलो बढ़ाया। वर्ष 2010 में मि. वर्ल्ड का खिताब जीतने वाले लक्ष्मण रेड्डी ने ट्रेनिंग देकर प्रभास के शरीर को मजबूत बनाया और यही वजह है कि अमरेन्द्र व महेन्द्र की भूमिका में वे अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे।

टालइन....



आसान नहीं था; क्योंकि रूसी शासन की गुलामी की दुखद यादें अब भी ताज़ा हैं। एस्टोनिया को रूस से अगस्त 1991 में आजादी मिली थी। लेकिन यह तय

किया गया कि कड़वी यादों के बावजूद इतिहास को बरकरार रखा जाये और आज यह पूजास्थल पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र है। वैसे शहर का सबसे पुराना गिरजाघर कैथोलिक सेंट मैरीज है जो 1229 में बना था। संकरे रास्ते के ऊपर, पहाड़ी की चोटी के निकट मेडेन टावर म्यूजियम-कैफे है, जिसके तीन फ्लोर्स में शानदार खाना तो मिलता ही है, साथ ही इस ऐतिहासिक शहर का शानदार नजारा भी देखने को मिलता है। इसके पास ही रैकोडा प्लेस्टस व रैकोडा है- शहर का चौराहा, जिसके चारों तरफ कैफे व दुकानें हैं और 14वीं शताब्दी का टाउन हॉल भी। पैदल घूमने के बाद यह आराम करने की बहुत अच्छी जगह है। कुल मिलाकर पुराना टालइन का सफर इसकी जीवित इतिहास व संस्कृति का अनुभव करना है और वह भी केवल सुबह से शाम तक में यानी एक दिन की यात्रा में।

इसकी वजह यह है कि भारत के 70 फीसदी एटीएम अभी भी विंडोज़ एक्सपी का इस्तेमाल करते हैं और इस अटैक में विंडोज़ एक्सपी को ही सबसे आसानी से हैक कर लिया गया था। ब्रिटेन के जिन अस्पतालों के कंप्यूटर्स हैक हुए थे, उनमें से 98 प्रतिशत विंडोज़ एक्सपी पर चलते थे। गौतलव है कि माइक्रोसॉफ्ट ने इस ऑपरेटिंग सिस्टम का स्पॉट पहले ही बंद कर दिया है। इसलिए अब माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ एक्सपी का प्रयोग करना किसी चुनौती से कम नहीं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस साल मार्च में इस खामिी को दूर करने के लिए एक पैच अपडेट किया था, लेकिन हैकर्स ने इसमें भी संध लगा दी। इसी के महेनजर रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को अपने एटीएम के सॉफ्टवेयर अपडेट करने के बाद ही इन्हें आम लोगों के लिए खोलने के निर्देश दिए हैं। हम सबको याद है कि अभी 32-6 महीने पहले ही हम करीब 72 लाख डेबिट/क्रेडिट कार्डों के हैक होने की समस्या को झेल चुके हैं। इसके अलावा भी हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जिनमें कभी किसी के आधार कार्ड की जानकारी को हैक कर लिया गया तो कभी किसी के डाटा में हेरफेर कर दिया गया। तमाम बीआईपी लोगों के दिवटर अकाउंट्स भी पिछले दिनों हैक किये गए हैं। दुनिया को इस साइबर अटैक ने अगर सकते में ला दिया है तो इसलिए भी क्योंकि यह साइबर हमला कोई बहुत उच्चस्तरीय हमला नहीं था। यह एक



किये गए हमले से ही शुरू हो। इसे हैकरों का एक छोटा सा समूह भी शुरू कर सकता है। जो लोगों की खुशहाल लाइफ से चिढ़े हों। इसका मतलब यह भी है कि अब जरूरी नहीं है कि विश्व युद्ध के लिए कोई मजबूत कारण हो। ये बिना कोई ठोस कारण मुझीभर और कई बार तो सिर्फ एक या दो हैकरों का कारनामा भी बनकर रह सकता है। हालांकि फिलहाल का हमला बहुत भयंकर नहीं था फिर भी नुकसान के ये आंकड़े और ज्यादा घातक हो सकते हैं। क्योंकि जैसे किसी कामयाबी का लाभ छन-छनकर आता रहता है, वैसे ही नुकसान भी धीरे-धीरे बढ़ता रहता है।

बहरहाल जो हुआ वह तो हो ही चुका है और भाग्यशाली हैं आप कि इससे आपका ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। टावर से पुराना शहर और विस्तृत होता चला जाता है। उसकी सड़कों व गलियों को पैदल ही देखना मजेदार है। टूट्पा हिल की दिशा में जाने वाली सड़क के आप अपने सफर की शुरुआत कीजिये। स्ट्रीट्स के नाम बहुत आसान भी हो सकते हैं जैसे वीक, ऐया, वुस या फिर बहुत मुश्किल भी जैसे मूरिवाहे, राजामौली और लवोरतुरिडम। छोटी-छोटी गलियों को पार करते हुए आप मध्य युग के गिरिजाघरों, मकानों, दुकानों और रेसोसी के गुजरोगे, जिनमें आप रुककर अंदर भी झांक सकते हैं। रेसोसी यूरोप में सबसे पुरानी फार्मसी है जो 1422 में स्थापित हुई थी। पुराने टालइन की अधिकतर बिल्डिंग 15वीं व 17वीं शताब्दी के बीच बनी हैं, जिनके बाहर मस्टर्ड, ग्रे, कैनरी या साधारण स्टोन फिनिश है।

कुछ गिरिजाघरों की सुन्दरता को व्यक्ति बस देखता ही रह जाता है। इनमें से सबसे प्रमुख है एलेगेंडर नेव्स्की कैथेड्रल। यह रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च है और इसकी उपस्थिति को स्वीकार करना एस्टोनिया वासियों के लिए

लेकिन भविष्य के भी किसी अटैक से आप ऐसे ही बच जायेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है अतः सावधान रहना जरूरी है। इसके लिए सावधानी के कुछ उपाय इस प्रकार के हो सकते हैं।

पुराने विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे एक्सपी 8 या विस्टा को जितना जल्दी हो सके अपडेट कर लें। माइक्रोसॉफ्ट ने इसके विशेष सिक्नोयोरिटी पैच जारी किए हैं।

किसी भी तरह के मेल के साथ आने वाले रार, जिप या इस तरह की कंप्रेष

फाइल को खोलने में सावधानी बरतें।

अनजाने मेल या लॉटरों से संबंधित मेल को न खोलें।

अपने सिस्टम में एंटी वायरस, एंटी फिशिंग, एंटी मालवेयर को तत्काल अपडेट करें। अनजाने मेल या लिंक पर क्लिक करने से बचें।

अजीत समाचार वर्ग पहेली-960

1	2	3	4	5			
6			7				8
9			10			11	12
			13				
14		15					16
						18	19
20			21		22		23
		24			25		26
		27		28			
29					30		

सर्वशुद्ध हल भेजिए और जीतिएं आकर्षक पुरस्कार

बाएं से दाएं : (1) कटप्पा ने जिसे मारा था (4) सौगंध (6) पक्षाघात (7) श्री रामचन्द्र ने जिसके डूटे थे खाए थे (9) कमल के फूल को तह आंखें (11) उपज, पैदावार (13) अपनी मर्जी करना (14) बरकर (16) कविता लिखने वाला (18) सामर्थ्य (20) दानी व्यक्ति (22) जिसका कोई वारिस न हो, निगोड़ा (24) घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाला वाहन (25) स्वप्न (26) बेटे का बेटा, पौत्र (28) तर्क, बहस (29) रावण, दस सिरों वाला (30) मोका।

ऊपर से नीचे : (1) लड़का, बच्चा (3) शोर, फसाद, झगड़ा (4) ओस की बूंद (5) अति रूपवती स्त्री (7) सोने का कमरा (8) चमड़ी (10) आद, गीला (12) पक्का रास्ता, लुक बजरी टालकर बनाया मार्ग (14) सिंघों की पदवी, मुखिया (15) वीर पुरुष (17) शौकीनी, लम्बरी (19) सरोवर (21) सारथी (23) संवादादाता, पत्रकार (27) व्यवसाय।

नियम एवं शर्तें :-

- * उत्तर साथ दिए गए वर्ग खाने में ही भर कर भेजें। सादे कागज़ या किसी अन्य ढंग से भेजे उत्तर स्वीकार्य नहीं होंगे।
- * अजीत समाचार वर्ग पहेली-960 का उत्तर नीचे लिखे पते पर 2 जून तक पहुँच जाना चाहिए। डाक में देरी होने से या किसी अन्य कारणों से हमारे कार्यालय तक समय पर न पहुँचने वाले उत्तर के लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं।
- * उत्तर साधारण डाक, कोरियर या रजिस्टर्ड डाक से भेजें।
- * एक से अधिक 'सर्वशुद्ध हल' भेजने वालों में से 'डा' द्वारा भाग्यशाली विजेता का चयन किया जाएगा।
- * अजीत समाचार वर्ग पहेली 960' का परिणाम 4 जून के अंक में देखें।
- * किसी भी विवाद की स्थिति में या अन्य किसी भी मामले में सम्पादक का निर्णय अंतिम होगा, उसके बारे में किसी को भी कहीं भी दावा करने का अधिकार नहीं होगा। उत्तर पूर्णतया स्पष्ट लिखाई में हो। किसी प्रकार से काट कर या एक शब्द के ऊपर ही दूसरा शब्द लिखा होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सर्वशुद्ध हल इस पते पर भेजें।

मुख्य सम्पादक,

अजीत समाचार वर्ग

पहेली नं.-960

अजीत समाचार, नेहरू गार्डन रोड, जालन्धर।

सम्पादक मण्डल की ओर से वर्ग पहेली 958 का चयन डा द्वारा किया गया।

प्रथम पुरस्कार:

(500 रूप्य)

द्वितीय पुरस्कार:

(300 रूप्य)

तृतीय पुरस्कार :

(200 रूप्य)

साप्ताहिक राशिफल 21 मई से 27 मई 2017 तक

पं. हरि ओम भारद्वाज 228, जालपत नगर, जालन्धर, फोन : 094632-83800

विशेष पर्व, त्योहार, दिवस : 21 मई को सर्वसिद्ध योग प्रातः 11.11 से, 22 मई को अपरा एकादशी व्रत, भद्रकाली एकादशी (कपूरथला) पंचाव, शाक ज्येष्ठ भास प्रारम्भ, प्रातः 10.10 से गण्डमूल विचार, 23 को 7.10 पर पंचक समाप्त, भौम प्रदोष व्रत, 24 को मास शिवरात्रि, प्रातः 6.02 तक गण्डमूल विचार, बुद्धदशी तिथि हरा, 25 को ज्येष्ठ अमावस, भाद्रका अमावस, वर सावित्री व्रत (अमावस पक्षा), शैवैर जयंती, 26 को गंगा स्नान प्रारम्भ, कबीर व्रत (सूर्य पूजा), भाद्रवृकाकर दिव, 27 को बंदिर्शन, इस सप्ताह चंदमा मीन, मेष, वृष, मिथुन राशि में संवार चलाएँ।

मेघ (22 मार्च से 21 अप्रैल)

यह सप्ताह आपके लिए संघर्षशाली रहेगा, इस सप्ताह में आशा में निराशा होगी, बनते कामों में बिगाड़ खड़ा होगा, नया लेन-देन ध्यान से करें, मानसिक तनाव व परेशानी बढ़ेगी, धूर्त लोगों से सावधान रहें, 24 के बाद विदेश से संबंधित काम भी बर्नेगे व रुका काम बनेगा, 22, 27 को दूर की यात्रा न करें व लेन-देन में भी चौकसी रखें, लाल, नीला रंग न पहनें।

वृष (22 अप्रैल से 21 मई)

यह सप्ताह आपके लिए मध्यमफल देने वाला है, इस सप्ताह में कारोबार में उलझने बढेंगी, कारोबार में रुक-रुक कर लाभ मिलेगा, वाक्पटुता से कार्य होंगे, मित्र वर्ग के सहयोग से कार्य होगा, सामाजिक कामों में भी व्यस्तता बढ़ेगी, ज़मीन-जायदाद के कामों में भी लाभ मिलेगा, 24, 26 को नया लेन-देन न करें व यात्रा में भी सावधानी रखें।

मिथुन (22 मई से 21 जून)

यह सप्ताह आपके लिए कार्यसिद्धिदायक वाला है, इस सप्ताह में बिगड़े काम बर्नेगे, मान-समान की प्राप्ति होगी, अधिकारी वर्ग से भी सहयोग की प्राप्ति होगी, ज़मीन-जायदाद के कामों में भी सफलता मिलेगी, वाक्पटुता से कार्य होंगे, अक्सरों से भी सहयोग की प्राप्ति होगी, अधिकारी वर्ग से भी सहयोग मिलेगा, विदेश से संबंधित काम भी बर्नेगे, ऋण की समस्या भी दूर होगी, मोकामका पूर्ण होगी, घर में शुभ कामों का आयोजन होगा, 23, 27 को यात्रा न करें, ताल रंग अशुभ है।

कर्क (22 जून से 21 जुलाई)

यह सप्ताह आपके लिए धन लाभ वाला है, इस सप्ताह में मान-समान की प्राप्ति होगी, शुभ कामों पर धन का खर्चा होगा, ज़मीन-जायदाद के कामों में भी लाभ की प्राप्ति होगी, विरोधी वर्ग शांत होगा, बिगड़े संबंध ठीक होंगे, रुका धन मिलेगा, धार्मिक कामों में भी सफलता मिलेगी, शत्रुओं पर विजय मिलेगी, 24, 26 को दूर की यात्रा न करें व लेन-देन से भी सावधानी रखें, नीला, काला रंग न पहनें।

सिंह (22 जुलाई से 21 अगस्त)

यह सप्ताह आपके लिए भाग्यवर्धक रहेगा, इस सप्ताह में कारोबार में वृद्धि होगी, मनोकामना पूर्ण होगी, नए-नए लोगों से भी सम्पर्क होगा, सामाजिक कामों में भी व्यस्तता बढ़ेगी, विरोधी वर्ग शांत होगा, मान-सम्मान बढ़ेगा, ज़मीन-जायदाद के काम भी बर्नेगे, विदेश से शुभ सूचना मिलेगी, 25, 27 को दूर कीयात्रा न करें, धूर्त लोगों से बचें।

कन्या (22 अगस्त से 21 सितम्बर)

यह सप्ताह आपके लिए दौड़ धूप वाला व संघर्षशाली रहेगा, इस सप्ताह में आय में कमी रहेगी, मानसिक तनाव व चिंता का सामना होगा, बनते कामों में बिगाड़ खड़ा होगा, कारोबार में उलझने बढेंगी, नया लेन-देन ध्यान से करें, आशा में निराशा होगी, शारीरिक कष्ट भी बढेंगे, 23 के बाद रुका काम बनेगा व विदेश से संबंधित काम भी बर्नेगे, 22, 27 को यात्रा न करें।

तुला (22 सितम्बर से 21 अक्टूबर)

यह सप्ताह आपके लिए भाग्यशाली रहेगा, इस सप्ताह म मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, सामाजिक कामों में व्यस्तता बढ़ेगी, बिगड़े संबंध ठीक होंगे, रुका धन मिलेगा, परिवार के कामों में भी लाभ की प्राप्ति होगी, विरोधी वर्ग शांत होगा, धार्मिक कामों में भी रुची बढ़ेगी, शुभ कामों पर धन का खर्चा होगा, 23, 26 को दूर की यात्रा न करें व पेट व गले के रोग परेशान करेंगे।

वृश्चिक (22 अक्टूबर से 21 नवम्बर)

यह सप्ताह आपके लिए कार्यसिद्धिदायक वाला है, इस सप्ताह में मनोकामना पूर्ण होगी, रिश्तेदारों से भी सहयोग की प्राप्ति होगी, ऋण की समस्याभी दूर होगी, बिगड़े संबंध ठीक होंगे, अधिकारी वर्ग से भी सहयोग की प्राप्ति होगी, नए-नए लोगों से भी मेल-मिलाप बढ़ेगा, विदेश से भी शुभ सूचना मिलेगी, 23, 24 को पेट व गले के रोग परेशान करेंगे, दूर की यात्रा न करें, लाखा, बैंगनी रंग न पहनें।

धनु (22 नवम्बर से 21 दिसम्बर)

यह सप्ताह आपके लिए परेशानी दायक वाला होगा, इस सप्ताह में दौड़ धूप व चिंता का सामना होगा, बनते कामों में रुकावटें खड़ी होंगी, आशा में निराशा होगी, फनल के कामों पर धन खर्चा बढेगा, नया लेन-देन ध्यान से करें, आशा में निराशा होगी, आय में कमी रहेगी, ज़मीन-जायदाद के कामों में भी हानि होगी, 23, 27 को नया लेन-देन न करें व धूर्त लोगों से सावधान रहें, यात्रा न करें।

मकर (22 दिसम्बर से 21 जनवरी)

यह सप्ताह आपके लिए मंगलकारी है, इस सप्ताह में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, नए-नए लोगों से मेल-मिलाप होगा, शुभ कामों पर धन का खर्चा होगा, विरोधी वर्ग शांत होगा, घर में खुशी का माहौल बनेगा, सामाजिक कामों में भी लाभ की प्राप्ति होगी, नवीन योजनाएं बर्नेगी, नई मशीनों लेने का भी विचार बनेगा, 16, 20 को पेट व गले के रोग परेशान करेंगे, यात्रा न करें।

कुंभ (22 जनवरी से 21 फरवरी)

यह सप्ताह आपके लिए धन प्राप्ति वाला है, इस सप्ताह में कारोबार में वृद्धि होगी, मुकद्दमे में कामयाबी मिलेगी, ज़मीन जायदाद के कामों में भी लाभ की प्राप्ति होगी, नई मशीनों पर धन का खर्चा होगा, वाक्पटुता से कार्य होंगे, ढेर से रुका काम बनेगा, 25, 27 को आशा में निराशा होगी व दूर की यात्रा न करें, मानसिक परेशानी बढ़ेगी, काला रंग अशुभ है।

मीन (22 फरवरी से 21 मार्च)

यह सप्ताह आपके लिए कार्यसिद्धिदायक वाला है, इस सप्ताह में बड़े-बड़े लोगों से सम्पर्क होगा, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, वाक्पटुता से कार्य होंगे, नया काम बनेगा, सामाजिक कामों में भी कामयाबी मिलेगी, ऋण की समस्या हटेगी, शत्रुओं पर विजय होगी, नई ज़मीन-जायदाद लेने का भी विचार बनेगा, वंश सहयोग मिलेगा, 25, 27 को दौड़ धूप व बढेंगी, यात्रा न करें, शत्रु परेशान करेंगे।

अजीत समाचार वर्ग पहेली-958

1	सं	ग्र	2	हा	ल	3	य		4	च	5	प	ल	6	ता
	पा			नि		7	ति	र	स्का		र				र
8	द	9	र	का	र						10	ख	न		न
11	क		म	र		12	न	13	ज	रा	ना				हा
		14	ल	क	ड		हा	रा				15	ची	र	
16	क					17	ना	स	म	झ					
19	रो		क	डि	20	या		न्ध		21	क	22	ह	र	
	ड				23	ता	24	श		25	म	झो	ला		
26	प	27	र		28	या	क			29	र	ह	30	म	
31	ति	जा	र		त			32	भो	ज	ना	ल		य	